ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य ...

इस संस्था की नींव 1878 में नार्मल स्कूल के रूप में पड़ी। इसका उल्लेख इंडियन एजुकेशन कमीशन की 1882 की रिपोर्ट में दर्ज है। संस्था का भवन वर्तमान शास्त्री बाजार के पास था। एकवर्षीय प्रशिक्षण की व्यवस्था में न्यूनतम योग्यता चौथी पास आयु 17 वर्ष होना आवश्यक था। पश्चात् महिला नार्मल स्कूल खोला गया जो नागपुर में स्थित था। 1901 में प्रशिक्षण की अवधि 2 वर्ष कर दी गयी। 1917 में बिलासपुर में एक और नार्मल स्कूल खोला गया। 1932–1946 तक रायपुर नार्मल स्कूल का विलय बिलासपुर में कद दिया गया। 26 अगस्त 1946 को पुनः रायपुर में नार्मल स्कूल आरम्भ किया गया। बैरन बाजार और बूढ़ापारा की शालायें अभ्यास शालाएं थी।

स्वतंत्रता के पश्चात् गांधी जी की बुनियादी शिक्षा का पाठ्यक्रम शुरू किया गया तथा इस संस्था का नाम बुनियादी प्रशिक्षण संस्था रखा गया। 1960 में संस्था का वर्तमान भवन निर्मित हुआ तथा 1961 में महिला बुनियादी प्रशिक्षण संस्था आरम्भ की गयी।

1971 में बी.टी.आई क्र.–1 एवं क्र. –2 नाम रखा गया। 1988 में बी.टी. आई. को प्रोन्नत कर **जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट)** नाम दिया गया और महिला बुनियादी प्रशिक्षण संस्था क्र. 2 का इस संस्थान में विलय कर दिया गया। यह संस्था डाइट के रूप में अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में अग्रसर है।